शब्द भंडार *(VOCABULARY)*

मुहावरे *(Idioms)*

वे वाक्यांश जो अपने शाब्दिक अर्थ से हटकर लाक्षणिक अर्थ देते हैं और वाक्य में ही प्रयुक्त होते हैं।

मध्यम · विस्तृत विवेचन · अंतिम बदलाव 15 सितंबर 2026

परिभाषा

जो वाक्यांश अपने साधारण अर्थ को छोड़कर कोई विशेष लाक्षणिक अर्थ प्रकट करे, उसे मुहावरा कहते हैं।

उसने मेरे कान भर दिए — इस वाक्य में किसी ने किसी के कान में कुछ भरा नहीं। अर्थ है — चुगली की। जब कोई वाक्यांश अपना **सीधा अर्थ छोड़कर** कोई दूसरा अर्थ देने लगे, तो वह **मुहावरा** कहलाता है।

मुहावरा शब्द अरबी से आया है; हिंदी में इसे **वाग्धारा** भी कहा जाता है।

मुहावरे की तीन पहचान

पहचान	अर्थ
लाक्षणिक अर्थ	शाब्दिक अर्थ से भिन्न अर्थ देता है
अपूर्णता	अकेला वाक्य नहीं बनता, वाक्य का **अंश** होता है
क्रिया-परिवर्तन	वाक्य के अनुसार इसकी क्रिया का रूप बदलता है

ध्यान दें

तीसरी पहचान सबसे अधिक भुला दी जाती है। मुहावरा शब्दकोश में *कान भरना* लिखा मिलेगा, पर वाक्य में वह *कान भर दिए, कान भरती रही, कान भरने लगे* — जैसा भी प्रसंग हो, वैसा बनेगा। मुहावरे को **ज्यों का त्यों** चिपका देना अशुद्ध प्रयोग है।

शरीर के अंगों से बने मुहावरे

मुहावरा	अर्थ
आँखों का तारा होना	बहुत प्रिय होना
आँखें चुराना	सामना करने से कतराना
आँख का काँटा होना	बुरा लगना
कान भरना	चुगली करना
कान खड़े होना	सचेत हो जाना
नाक में दम करना	बहुत परेशान करना
नाक कटना	प्रतिष्ठा जाना
मुँह की खाना	बुरी तरह हारना
दाँतों तले उँगली दबाना	हैरान रह जाना
हाथ मलना	पछताना
हाथ खींचना	साथ छोड़ देना
सिर पर चढ़ाना	अधिक लाड़ करना
पेट में चूहे कूदना	तेज़ भूख लगना
कमर कसना	तैयार हो जाना

स्वभाव और व्यवहार

मुहावरा	अर्थ
अंगूठा दिखाना	साफ़ इनकार कर देना
आग बबूला होना	अत्यंत क्रोधित होना
आस्तीन का साँप	विश्वासघाती मित्र
थाली का बैंगन	सिद्धांतहीन व्यक्ति
गिरगिट की तरह रंग बदलना	बार-बार बात बदलना
ईद का चाँद होना	बहुत दिनों बाद दिखाई देना
उँगली पर नचाना	अपने वश में कर लेना
चिकना घड़ा होना	कहने का कोई असर न होना

स्थिति और परिणाम

मुहावरा	अर्थ
टेढ़ी खीर	कठिन काम
लोहे के चने चबाना	बहुत कठिन काम करना
दाल न गलना	सफल न होना
नौ दो ग्यारह होना	भाग जाना
पानी-पानी होना	लज्जित होना
चार चाँद लगाना	शोभा बढ़ा देना

मुहावरा	अर्थ
गागर में सागर भरना	थोड़े शब्दों में बहुत कहना
छक्के छुड़ाना	बुरी तरह हरा देना
घी के दीये जलाना	बहुत ख़ुशी मनाना
श्रीगणेश करना	आरंभ करना
हवा से बातें करना	बहुत तेज़ दौड़ना

वाक्य में प्रयोग

मुहावरे का अर्थ लिख देना आधा काम है। पूरा काम तब होता है जब वह **वाक्य में सहज बैठे**।

वाक्य में

गागर में सागर भरना — बिहारी के दोहे गागर में सागर भरते हैं।

लोहे के चने चबाना — इस परीक्षा की तैयारी में उसे लोहे के चने चबाने पड़े।

नौ दो ग्यारह होना — पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया।

आग बबूला होना — बात सुनते ही पिता जी आग बबूला हो उठे।

ध्यान दें

वाक्य बनाते समय मुहावरे का अर्थ **दोहराइए नहीं**। *चोर नौ दो ग्यारह होकर भाग गया* अशुद्ध है, क्योंकि भाग जाना तो मुहावरे में पहले से है। यह वही दोष है जिसे वाक्य शुद्धि में **पुनरुक्ति** कहा जाता है।

मुहावरा और लोकोक्ति में अंतर

आधार	मुहावरा	लोकोक्ति
रूप	वाक्यांश — वाक्य का अंश	पूरा स्वतंत्र वाक्य
प्रयोग	क्रिया वाक्य के अनुसार बदलती है	ज्यों का त्यों रहता है
उद्गम	भाषा का लाक्षणिक प्रयोग	लोक-अनुभव, कहावत
उदाहरण	नाक में दम करना	नाच न जाने आँगन टेढ़ा

अभ्यास

उत्तर देखने से पहले स्वयं सोचें।

मुहावरा और लोकोक्ति में मूल अंतर क्या है?

उत्तर मुहावरा वाक्यांश होता है — वह वाक्य का अंश है और उसकी क्रिया वाक्य के अनुसार बदलती है। लोकोक्ति स्वयं पूरा वाक्य होती है और ज्यों की त्यों प्रयुक्त होती है।

“चोर नौ दो ग्यारह होकर भाग गया” — इस वाक्य में क्या दोष है?

उत्तर पुनरुक्ति का दोष। “नौ दो ग्यारह होना” का अर्थ ही भाग जाना है, अतः “भाग गया” जोड़ना अनावश्यक है। शुद्ध रूप होगा — चोर नौ दो ग्यारह हो गया।

“गागर में सागर भरना” का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उत्तर अर्थ — थोड़े शब्दों में बहुत कुछ कह देना। वाक्य — बिहारी के दोहे गागर में सागर भरते हैं।

“आस्तीन का साँप” और “थाली का बैंगन” का अर्थ बताइए।

उत्तर आस्तीन का साँप अर्थात् विश्वासघाती मित्र, और थाली का बैंगन अर्थात् ऐसा व्यक्ति जिसका कोई सिद्धांत न हो और जो हर ओर ढुलक जाए।

मुहावरे की तीन पहचान कौन-सी हैं?

उत्तर पहली, वह शाब्दिक अर्थ छोड़कर लाक्षणिक अर्थ देता है। दूसरी, वह अकेले पूरा वाक्य नहीं बनता। तीसरी, वाक्य के अनुसार उसकी क्रिया का रूप बदलता है।